

संयति स्त्री. (तत्.) निरोध, वश में रखना, तपश्चर्या, संयमन।

संयद्वसु पुं. (तत्.) सूर्य की सात राशियों में से एक वि. धनी।

संयम पुं. (तत्.) 1. निग्रह, रोक, दाब, बंधन, सम्यक् रूप से नियंत्रण 2. प्राणियों और इंद्रियों के विषय में अशुभ प्रवृत्ति का त्याग, मन को बुरे या गलत कामों की ओर जाने से रोकना, मन की एकाग्रता 3. स्वास्थ्य की दृष्टि से हानिकारक भोजन/ कार्यों/बातों से अलग रहना 4. परहेज, व्यवहार में अनुचित बातों से स्वयं को रोकना 5. शांत बने रहना 6. योग में ध्यान, धारणा और समाधि का साधन।

संयमक वि. (तत्.) संयम, निग्रह करने वाला।

संयमनी स्त्री. (तत्.) (मृत्यु के देवता) यमराज की पुरी, यमराज की राजधानी।

संयमित वि. (तत्.) 1. जिसका संयम किया गया हो, निग्रह किया हुआ, वश में किया हुआ 2. नियंत्रित, रोका हुआ, निरुद्ध 3. दमित 4. इंद्रिय-निग्रही 5. काराबद्ध, पकड़ा हुआ 6. धार्मिक प्रवृत्ति वाला 7. एकत्र किया हुआ।

संयमिता स्त्री. (तत्.) दे. संयमित।

संयमिनी स्त्री. (तत्.) संयमनी, यमपुरी।

संयमी वि. (तत्.) 1. संयम करने वाला, चित्त वृत्तियों का निग्रह/निरोध करने वाला, आत्मनिग्रही, जितेंद्रिय, व्यवहार में संयम से रहने वाला, मन और वासनाओं का वश में रखने वाला 2. पथ्य से रहने वाला 3. परहेजगार।

संयात वि. (तत्.) 1. यात्रा पर गया हुआ 2. जिसने प्रस्थान कर लिया हो 3. साथ गया हुआ 4. पहुँचा हुआ 5. आया हुआ।

संयात्रा स्त्री. (तत्.) 1. साथ-साथ की गई यात्रा, साथ-साथ यात्रा करना 2. समुद्र यात्रा।

संयुक्त वि. (तत्.) 1. मिला हुआ, जुड़ा हुआ, संपन्न अन्वित, सहित, लगा हुआ, संबद्ध, सटा हुआ, जो विघटित न हो उदा. संयुक्त परिवार,

जिसके दो या अधिक भागीदार हो उदा. संयुक्त खाता सहयोगी के रूप में काम करने वाला 2. सहित, मिश्रित, दो या अधिक व्यक्तियों का मिला-जुला उदा. संयुक्त स्वामित्व।

संयुक्ता वि. (तत्.) किसी के साथ जुड़ी हुई, मिली हुई, लगी हुई या सटी हुई (छंदशास्त्र में) संयुक्त नामक 10 वर्णों का समवर्णिक छंद 1. आवर्त की लता 2. जयचंद की कन्या संयोगिता।

संयुक्ताक्षर पुं. (तत्.) संयुक्त वर्ण, दो भिन्न वर्णों का संयुक्त रूप में आना।

संयुग पुं. (तत्.) 1. मेल, मिलाप, संयोग, संयोजन, मिश्रण 2. युद्ध, लड़ाई, संग्राम, संघर्ष।

संयोग पुं. (तत्.) 1. (कुछ वस्तुओं का) मेल, घनिष्ठता, जोड़ मिश्रण, संगम, समागम, मिलन, स्त्री-पुरुष प्रेमी-प्रेमिका का मिलन, विवाह-संबंध 2. कोई अप्रत्याशित घटना, आकस्मिक घटना, अकस्मात् होने वाली ऐसी स्थिति जिसमें एक घटना के साथ ही कोई दूसरी घटना भी हो जाए, अवसर 3. किसी उद्देश्य के लिए दो या अधिक लोगों में होने वाला मेल, दो या अधिक ग्रहों की किसी एक राशि में स्थिति, ग्रह-योग व्या. दो या अधिक व्यंजनों का मेल उदा. रहस्य शब्द में सकार और यकार का संयोग है।

संयोग पृथक्त्व वि. (तत्.) अनित्य संबंधों का पार्थक्य।

संयोग-मंत्र पुं. (तत्.) विवाह-संबंधी मंत्र।

संयोग विरुद्ध पुं. (तत्.) (आयुर्वेद) वे खाद्य पदार्थ जिन्हें मिलाकर खाना शरीर के लिए हानिकारक हो सकता है जैसे- मछली और दूध।

संयोग शृंगार पुं. (तत्.) काव्य में शृंगार के दो प्रमुख भेदों में से एक, परस्पर प्रेम में अनुरक्त नायक और नायिका के परस्पर दर्शन, स्पर्शन इत्यादि से युक्त शृंगार इसका विलोम-वियोग शृंगार या 'विप्रलंभ शृंगार' होता है।

संयोगिता वि. (तत्.) 1. वह स्त्री जो अपने पति या प्रियतम के साथ हो, जो वियोगिनी न हो 2. जयचंद्र की कन्या 3. एक प्रसिद्ध नायिका।